बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

سرشناسه:	علی‌بن ابی‌طالب علیه‌السلام، امام اول، ۲۳ قبل از هجرت - ۴۰ ق. Ali ibn Abi-talib, Imam I, 600-661
عنوان قراردادی:	غررالحکم و دررالکلم .هندی.
عنوان و نام پدیدآور:	Ghorarolhekam dorarolhekam/ Ali ibn Abi Talib; Seyed Ghamar Ghazi.
مشخصات نشر:	Qum: Al-mustafa International Translation and Publi- cation Center, 2014= 1393.
فروست اصلی :	مرکز بین المللی ترجمه و نشر المصطفی ۴۳پ/۱۳۹۳/۸۵
فروست فرعی :	معاونت پژوهش ۲۱
شابک:	۹۷۸-۹۶۴-۱۹۵-۸۶۳-۵
وضعیت فهرست نویسی:	فیپا
یادداشت:	هندی.
موضوع:	علی‌بن ابی‌طالب علیه‌السلام، امام اول، ۲۳ قبل از هجرت - ۴۰ق. — کلمات قصار
موضوع:	Ali ibn Abi-talib, Imam I, 600-661 -- Quotations
موضوع:	احادیث شیعه
موضوع:	احادیث اخلاقی
شناسه افزوده:	قاضی، سیدقمر
شناسه افزوده:	Ghazi, Seyed Ghamar
رده بندی کنگره:	۲۹۷/۹۵۱۵
رده بندی دیویی:	BP۳۹/۰۴۲/ع۸غ۴۰۴۹۵ ۱۳۹۳
شماره کتابشناسی ملی:	۳۵۳۰۱۱۹

नसीहत के मोती

ग़ु-ररुल हिकम व दु-ररुल कलिम से हज़रत अली अलैहिस्सलाम की 600 हदीसें

संकलनकर्ता

अब्दुल वाहिद बिन मुहम्मद तमीमी आमदी

अनुवादक

सैयद क़मर ग़ाज़ी

Al-mustafa International
Translation and Publication Center

नसीहत के मोती

गु़-ररुल हिकम व दु-ररुल कलिम से हज़रत अली अलैहिस्सलाम की 600 हदीसें

संकलनकर्ता: अब्दुल वाहिद बिन मुहम्मद तमीमी आमदी

अनुवादक: सैयद क़मर ग़ाज़ी

संख्या: 300

पहला एडीशन: जनवरी 2014

ISBN: 978-964-195-863-5

ترجمه گزیده غررالحکم و دررالکلم

مولف: علی بن ابی‌طالب

مترجم: سید قمر قاضی

چاپ اول: ۱۳۹۳ش / ۱۴۳۵ ق

ناشر: مرکز بین‌المللی ترجمه و نشر المصطفی ﷺ

تیراژ: ۳۰۰

چاپ: نارنجستان **قیمت:** ۸۰۰۰۰ ریال

© Al-Mustafa International Publication and Translation Center

● IRAN, Qom; Muallim avenue western , (Hujjatia). Tel-Fax: +98 25-37839305 - 9
● IRAN, Qom; Boulevard Muhammad Ameen, Y-track Salariyah. Tel: +98 25-32133106, Fax: +98 25-32133146
● IRAN, Tehran; Inqilab Avenue, midway Wisal Shirazi and Quds, off Osko Street, Block 1003. Tel: +98 21-66978920
● IRAN, Mashad; Imam Reza (a.s) Avenue, Danish Avenue Eastern, midway Danish 15 and 17. Tel: +98 511-8543059

www.pub.miu.ac.ir miup@pub.miu.ac.ir

We wish to acknowledge the assistance of all for finalization of this book

प्रकाशक के शब्द

हदीस, इस्लामी शिक्षाओ□की प्राप्ति का एक दूसरा स्रोत है कि □स ने क़ुरआन के बाद धार्मिक नियमो के सङ्कलन और इस्लामी ज्ञान की रचना व विकास मे सबसे अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस्लामी इतिहास मे बुध्दि□ीवियों, हदीस लिखने वालों और क़ुरआन का स्मरण करने वालों का प्रयास सराहनीय हैं। इन महान लो□ो ने हदीस लिखने और उस के सङ्कलन और उसे व्यवस्थित करने हेतु अत्याधिक परिश्रम और पैग़म्बरे इस्लाम (स) और इमामो की इस धरोहर की रक्षा के लिऐ अनथक प्रयास किये हैं

हदीसों और पैग़म्बरे इस्लाम (स) तथा इमामों के कथनो अर्थात रिवायतों की व्यापकता तथा हदीस के बारे मे अध्ययन करने वालो और हदीस मे सम्बोधित किये □ये लो□ों की आवश्यकताओ□में समानता न होने के कारण

हदीस लिखने वालो मे कि □न्हें मुहद्दिस कहा □ाता है, हदीस के विशाल सङ्कलन और उन्हें नये रुप व ढॉचें मे प्रस्तुत करने का रुझान उत्पन्न हुवा और ग़ुरारुल हिकम वा दुरारुल क़लिम नामक यह किताब इसी रुझान का परिणाम है।

अन्तर्राष्ट्रीय इस्लामी शिक्षा केन्द्र के छात्र श्री सैयद क़मर ग़ाज़ी ने □िन का सम्बन्ध भारत से है इस किताब का हिन्दी भाषा मे अनुवाद किया है। हम उन की और उन सभी लो□ों की सराहना करते हैं □िन्हो ने इस रचना को व्यवहारिक बनाने की दिशा मे प्रयास किया है और खुदा से दुआ करते हैं कि इन लो□ों को इस प्रकार के कार्यों की प्रेरणा सदैव प्रदान करता रहे।

अल मुसतफ़ा (स) इन्टर नेशनल युनिवर्सिटी,
अध्ययन व शोध विभा□

विषय सूची

इस सक्लन के बारे में...9
प्रस्तावना 15
(الفـ و لام) 23
(الف)...35
(ب – ث) 51
(ج – خ)...57
(د) 61
(ر – ز)...63
(س – ش) 67
(ص – ظ)..71
(ع – غ)...75
(ف - ق) 79
(ک – ل) 83
(م – ن)...91

(هـ - و) 107
(لا - ي) 109
किताब के स्रोत...119